B.A - Sem - III

चार्वाक दर्शन मुख्य रूप से चार भौतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु को ही इस सृष्टि का मूल आधार मानता है चार्वाक का प्रमुख तत्व और सिद्धांत
- चार महाभूत - चार्वाक दर्शन पाँचवे तत्व यानी "आकाश" को अस्वीकार करता है क्योंकि उसे इन्द्रियों द्वारा प्रत्यक्ष नहीं देखा जा सकता है।
- चेतना (आत्मा का खंडन) इन चार तत्वों के विशिष्ट संयोग या मिलने से ही शरीर का चेतना का निर्माण होता है जिस प्रकार मदिरा के द्रव्यों के समिश्रण से नशा उत्पन्न होता है। उसी प्रकार ~~ब~~ चार तत्वों से चेतना बनती है। अलग से किसी अमर आत्मा का अस्तित्व नहीं है।
- प्रत्यक्ष प्रमाण :- चार्वाक दर्शन केवल प्रत्यक्ष (इन्द्रियों से दिखने वाले) प्रमाण को ही एकमात्र सत्य मानता है। अनुमान या शब्द प्रमाण को यह पूर्ण सत्य नहीं मानता है।
- ईश्वर और (परलोक का निषेध) चार्वाक दर्शन ईश्वर, स्वर्ग, नर्क, पुनर्जन्म और कर्मफल के सिद्धान्त को नहीं मानता।

B.A Sem-III

सुखवाद (Hedonism) :- इस दर्शन के अनुसार जीवन का मुख्य उद्देश्य और परम पुरुषार्थ सुख भोगना है। जब तक जिए, सुख से जिए। चाहे ऋण लेकर क्यों ना घी पीये।